V-STD

HINDI

LESSON

पाठ ग्यारह

ऊँगा, ओगे, – एगा, एँगे, मैं स्कूल जाऊँगा

आज कौन–सा दिन है?
आज शनिवार है।
कल कौन–सा दिन है?
कल इतवार है।
कल छुट्टी है।
मैं कल स्कूल नहीं जाऊँगा।
मैं कल खेलूँगा।
मैं मैदान में खेलूँगा।
परसों सोमवार है। मैं परसों स्कूल जाऊँगा।
क्या मंगलवार को तुम स्कूल जाओगे?
नहीं, मंगलवार को मैं स्कूल नहीं जाऊँगा।
मंगलवार को त्योहार है।
शाम को तुम क्या करोगे?
शाम को मैं मंदिर जाऊँगा।
क्या तुम भी मंदिर चलोगे?
हाँ, मैं भी ज़रूर मंदिर चलूँगा।
तुम कब वापस आओगे?
मैं रात को वापस आऊँगा।

* * *

मुरली, तुम अब अंग्रेज़ी पढ़ोगे या हिंदी?
मैं अब हिंदी पढ़ूँगा, रात को अंग्रेज़ी पढ़ूँगा।
तुम गणित कब करोगे?
मैं गणित कल सुबह करूँगा।
क्या तुम आज बाज़ार जाओगे?
नहीं, मैं आज बाज़ार नहीं जाऊँगा।

शब्दार्थ

दिन	Day	நாள்	వారము, దినము	ದಿನ	ദിവസം
छुट्टी	Holiday	விடுமுறை	శలవు	ರಜೆ	ലീവ്, ഒഴിവ്
आज	Today	இன்று	ఈరోజు	ಇಂದು	ഇന്ന്
त्योहार	Festival	பண்டிகை	పండుగ	ಹಬ್ಬ	ഉത്സവം
शाम	Evening	மாலை	సాయంత్రము, సాయంకాలము	ಸಂಜೆ	വൈകുന്നേരം
शाम को	In the Evening	மாலையில்	సాయంత్రము	ಸಂಜೆಯ ಹೊತ್ತು	വൈകുന്നേരത്ത്
मंदिर	Temple	கோயில்	గుడి, దేవాలయము	ದೇವಸ್ಥಾನ	അമ്പലം
ज़रूर	Certainly	கட்டாயம்	తప్పక, తప్పకుండా	ಅವಶ್ಯಕತೆ	തീർച്ചയായ്
वापस	Return	திரும்பி	తిరిగి	ಮರಳಿ	തിരിച്ചു
कब	When	எப்பொழுது	ఎప్పుడు	ಯಾವಾಗ	എപ്പോൾ

अभ्यास

एक वाक्य में उत्तर लिखिए :-

1. आज कौन-सा दिन है?
2. कल कौन-सा दिन है?
3. शाम को तुम क्या करोगे?

पाठ बारह

कल अशोक कहाँ जाएगा?
कल अशोक चेन्नई जाएगा।
अशोक चेन्नई क्यों जाएगा?
वह चेन्नई में हॉकी खेलने जाएगा।
वहाँ शनिवार को हॉकी का खेल है।
क्या अशोक हॉकी खेलता है?
हाँ, अशोक हॉकी खूब खेलता है।
अशोक को कौन चेन्नई भेजते हैं?
अशोक को हमारे प्रधान अध्यापक चेन्नई भेजते हैं।
अशोक वहाँ कितने दिन ठहरेगा?
अशोक वहाँ पाँच दिन ठहरेगा।
वहाँ खेल तीन दिन का है।
आज अशोक किस गाड़ी से जाएगा?
वह शाम की गाड़ी से जाएगा।
मैं शाम को स्टेशन जाऊँगा।
क्या तुम भी स्टेशन चलोगे?
हाँ, मैं भी अवश्य स्टेशन चलूँगा।
मैं चार बजे तुम्हारे घर आऊँगा।
वहाँ से हम दोनों स्टेशन जाएँगे।
गाड़ी कितने बजे छूटती है?
गाड़ी साढ़े छे बजे छूटती है।
हम छः बजे स्टेशन पहुँचेंगे।
मैं अशोक को माला पहनाऊँगा।
मैं भी उसे एक माला पहनाऊँगा।
मैं बाज़ार से एक बढ़िया माला लाऊँगा।
आज स्टेशन पर हमारे अध्यापक भी आएँगे।

अशोक कब चेन्नई से वापस आएगा?
वह बुधवार सवेरे इधर वापस आएगा।
आज सभा में कौन बोलेंगे?
आज सभा में प्रधान अध्यापक बोलेंगे।
क्या वे हिंदी में बोलेंगे?
हाँ, वे हिंदी में ही बोलेंगे।

शब्दार्थ

खूब	Well	நன்றாக	బాగుగా, మంచి	ಚೆನ್ನಾಗಿ	നന്നായിട്ട്
भेज	Send	அனுப்பு	పంపించు	ಕಳಿಸು	അയയ്ക്കുക
प्रधान	Head	தலைமை-	ప్రధానోపా	ಮುಖ್ಯೋಪಾ	പ്രധാന
अध्यापक	Master	-ஆசிரியர்	ధ్యాయుడు	ಧ್ಯಾಪಕ	അധ്യാപക
कितने	How many	எத்தனை	ఎన్ని, ఎందరు	ಎಷ್ಟು	എത്ര
ठहर	Halt	தங்கு	నిలుచుట, ఆగుట	ಉಳಿದುಕೊ	താമസിക്ക
दोनों	Both	இருவரும்	ఇరువురును	ಇಬ್ಬರು	രണ്ടുപേരും
छूटना	To depart	புறப்படுதல்	బయలుదేరుట,	ಹೊರಡು	പുറപ്പെടുക
पहुँचना	To reach	சேர்தல்	చేరుట, అందుట	ಮುಟ್ಟು	എത്തുക
बजे	O'clock	மணிக்கு	గంటలు, సమయము	ಗಂಟೆ	സമയം
पहनना	Wear	அணிதல்	ధరించుట	ಧರಿಸು	അണിയുക
बढ़िया	Fine	நேர்த்தியான	బాగుగా, మంచిగా	ಚೆನ್ನಾಗಿದೆ	നല്ലത്
बोल	Speak	பேசு	మాటలాడు	ಮಾತಾಡು	സംസാരിക്ക

अभ्यास

एक वाक्य में उत्तर लिखिए :–

1. कल अशोक कहाँ जाएगा?
2. गाड़ी कितने बजे छूटती है?
3. अशोक कब चेन्नई से वापस आएगा?

पाठ तेरह

यह गाड़ी कहाँ जाएगी?
यह मदुरै जाएगी।
यह गाड़ी कब छूटेगी?
यह रात को आठ बजे छूटेगी।
यह कब मदुरै पहुँचेगी?
यह कल सबेरे सात बजे मदुरै पहुँचेगी।
हम बुधवार को मदुरै जाएँगे।
हम दस दिन मदुरै में रहेंगे।
गीता भी मदुरै चलेगी।
मदुरै से हम कोडैक्कानल जाएँगे।
कोडैक्कानल में हम वेधशाला देखेंगे।

सीता, तुम मेरे साथ चलोगी?
हाँ, मैं भी तुम्हारे साथ चलूँगी।
तुम यहाँ से कब चलोगी?
मैं गुरुवार को चलूँगी।
वहाँ से हम और कहाँ जाएँगी?
हम वहाँ से ऊटी जाएँगी।
ऊटी से हम यहाँ वापस आएँगी।

शब्दार्थ

रात	Night	இரவு	రాత్రి	ರಾತ್ರಿ	രാത്രി
रात को	At night	இரவில்	రాత్రియందు	ರಾತ್ರಿಯಲ್ಲಿ	രാത്രിയിൽ
चल	Walk	நட, செல்	నడు, వెళ్ళు	ನಡೆ, ಹೋಗು	നടക്കുക
वेधशाला	Observatory	ஆய்வகம்	వేధశాల	ವೀಕ್ಷಣಾಲಯ	നിരീക്ഷണശാല

अभ्यास

एक वाक्य में उत्तर लिखिए :-

1. यह गाड़ी कहाँ जाएगी?
2. यह गाड़ी कब छूटेगी?
3. कोडैक्कानल में हम क्या देखेंगे?

पाठ चौदह

मुझको, उसको, चाहिए, सिर्फ़

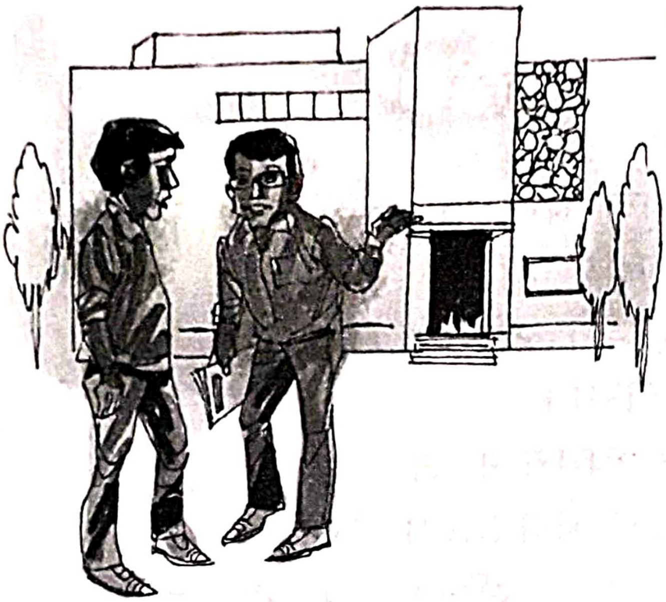

यह हमारा घर है।
इसमें छः कमरे हैं।
यह बड़ा कमरा है।
यह पिताजी का कमरा है।
पिताजी इसमें पढ़ते–लिखते हैं।
मेरे भाई के लिए एक अलग कमरा है।
वह छोटा कमरा मेरा है।
मेरा छोटा भाई भी उसमें पढ़ता–लिखता है।
हमारे घर के पीछे एक सुंदर बगीचा है।
उसमें कई पेड़ हैं।
कुछ आम के पेड़ हैं, कुछ अमरूद के पेड़ हैं।
एक कटहल का पेड़ भी है।
बगीचे में फूल के पौधे भी हैं।
कुछ फूल लाल हैं, कुछ पीले हैं और कुछ सफ़ेद भी हैं।
हम फल खाते हैं और कुछ फल मित्रों को भी देते हैं।

मुझे कटहल बहुत पसंद है।
पिताजी को आम बहुत पसंद है।
पिताजी, आप आम लीजिए।
आप थोड़ा दूध भी लीजिए।
नहीं, आज मुझे फल नहीं चाहिए।
मुझे सिर्फ़ दूध चाहिए।
क्या आप सिर्फ़ दूध लेंगे?
हाँ, मैं आज सिर्फ़ दूध लूँगा।
पिताजी, मुझको एक नयी किताब चाहिए।
अच्छा, तुमको एक अच्छी किताब देता हूँ।
आप गोविंद को भी नयी किताब दीजिए।
अच्छा, तुमको दो किताबें देता हूँ।
एक किताब तुम लो, एक गोविंद को दो।
पिताजी, हमें कलमें भी चाहिए।
कलम कल दूँगा, आज सिर्फ़ किताबें दूँगा।
मोहन, तुमको कौन हिंदी सिखाते हैं?
मुझे मास्टर राजन हिंदी सिखाते हैं।
हिंदी सीखने के लिए तुम कहाँ जाते हो?
मैं रोज़ शाम को मास्टर के घर जाता हूँ।
वहाँ मैं सिर्फ़ हिंदी सीखता हूँ।

शब्दार्थ

कमरा	Room	அறை	గది	ಕೋಣೆ	മുറി
अलग	Separate	தனி	వేరుగా, భిన్నము	ಬೇರೆ	തനിയെ
कुछ	Few	சில	కొన్ని, కొంచెము	ಸ್ವಲ್ಪ	കുറച്ച്
कटहल	Jack fruit	பலாப்பழம்	పనస పండు	ಹಲಸಿನ ಹಣ್ಣು	ചക്ക പഴം
फूल	Flower	பூ	పువ్వు, పుష్పము	ಹೂ	പുഷ്പം
पौधा	Plant	செடி	మొక్క	ಸಸಿ	ചെടി

लाल	Red	சிவப்பு	ఎరుపు	ಕೆಂಪು	ചുവപ്പ്
पीला	Yellow	மஞ்சள்	పసుపు	ಹಳದಿ	മഞ്ഞ കളർ
सफ़ेद	White	வெள்ளை	తెలుపు	ಬಿಳಿ	വെള്ള
मित्र	Friend	நண்பன்	స్నేహితుడు	ಗೆಳೆಯ	സ്നേഹിതൻ
दे	Give	கொடு	ఇవ్వు	ಕೊಡು	കൊടുക്കുക
पसंद	Like, Wish	விரும்பு	యిష్టము, కోరిక	ಇಷ್ಟ, ಬಯಕೆ	ഇഷ്ടം
बहुत	Much	அதிகம்	ఎక్కువగా, అధికము	ಬಹಳ	അധികം
थोड़ा	Some, Little	கொஞ்சம்	కొంచెముగా, కొన్ని	ಸ್ವಲ್ಪ	കുറച്ച്
चाहिए	Want	வேண்டும்	కావలెను	ಬೇಕು	വേണം
सिर्फ़	Only	மாத்திரம், மட்டும்	మాత్రము	ಮಾತ್ರ	മാത്രം
अच्छा	Good	நல்ல	మంచి	ಒಳ್ಳೆಯ	നല്ലത്
नया	New	புதிய	నూతనముగు, క్రొత్త	ಹೊಸ	പുതിയത്
सिखा	Teach	கற்றுக்கொடு	నేర్పించు	ಕಲಿಸು	പഠിപ്പിയ്ക്കുക
सीख	Learn	கற்றுக்கொள்	నేర్చుకొను	ಕಲಿಯು	പഠിയ്ക്കുക

अभ्यास

एक वाक्य में उत्तर लिखिए :-

1. इस घर में कितने कमरे हैं?
2. आपके घर के पीछे क्या है?
3. मोहन, तुमको कौन हिंदी सिखाते हैं?

पाठ पंद्रह

गाय, भैंस, बैल, घोड़ा

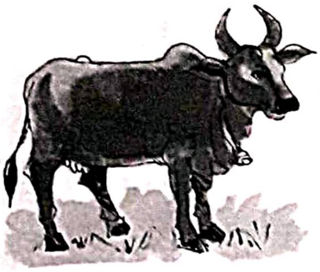

हम घरों में गाय–भैंस पालते हैं। गाय और भैंस हमें दूध देती हैं। हम उनका दूध पीते हैं। गाय का दूध तंदुरुस्ती के लिए अच्छा है। गाय का दूध सबसे बढ़िया आहार है। गाय को कभी मत मारो। उसको प्रेम से पालो।

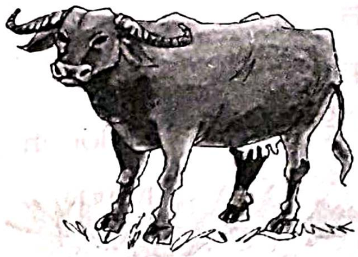

यह भैंस है। भैंस काली होती है। हम भैंस के दूध से दही बनाते हैं। दही को मथने से मक्खन मिलता है। मक्खन से हम घी बनाते हैं। गाय का दूध पतला होता है। भैंस का दूध गाढ़ा होता है।

किसान बैल को पालता है। बैल गाड़ी खींचता है और खेत जोतता है। बैल बहुत उपयोगी जानवर है।

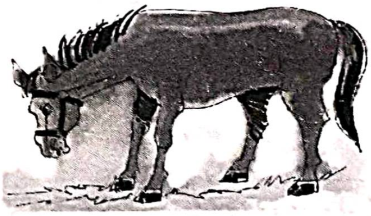

घोड़ा समझदार जानवर है। वह तेज़ दौड़ता है। घोड़े गाड़ी भी खींचते हैं। हम घोड़े पर सवारी भी करते हैं।

गाय, भैंस, बैल, घोड़ा– ये सब उपयोगी जानवर हैं। हम इन जानवरों को पालते हैं। इसलिए इनको पालतू जानवर कहते हैं। शेर, बाघ, भालू आदि जंगलों में रहते हैं। इसलिए उन्हें जंगली जानवर कहते हैं।

शब्दार्थ

गाय	Cow	பசு	ఆవు, గోవు	ಹಸು	പശു
भैंस	She Buffalo	எருமை	గేదె	ಎಮ್ಮೆ	എരുമ
बैल	Ox, Bullock	எருது. காளை	ఎద్దు	ಎತ್ತು	കാള
घोड़ा	Horse	குதிரை	గుర్రము	ಕುದುರೆ	കുതിര
तंदुरुस्ती	Health	உடல்நலம்	ఆరోగ్యము	ಆರೋಗ್ಯ	ആരോഗ്യം
दही	Curd	தயிர்	పెరుగు	ಮೊಸರು	തൈര്
मक्खन	Butter	வெண்ணெய்	వెన్న	ಬೆಣ್ಣೆ	വെണ്ണ
घी	Ghee	நெய்	నెయ్యి	ತುಪ್ಪ	നെയ്യ്
किसान	Farmer	விவசாயி	రైతు	ರೈತ	കൃഷിക്കാരൻ
खेत	Field	வயல்	పొలము	ಹೊಲ	വയൽ
जोतना.	To Plough	உழுதல்	దున్నుట	ಉಳು	ഉഴുക
जानवर	Animal	விலங்கு	జంతువు	ಪ್ರಾಣಿ	മൃഗം
पालतू जानवर	Domestic Animal	வளர்ப்பு பிராணி	పెంపుడు జంతువు	ಸಾಕು ಪ್ರಾಣಿ	വളർത്തപ്പെടുന്ന മൃഗം
जंगली जानवर	Wild Animal	வனவிலங்கு	క్రూర జంతువు	ಕ್ರೂರ ಪ್ರಾಣಿ	കാട്ടിലുള്ള മൃഗം
शेर	Lion	சிங்கம்	సింహము	ಸಿಂಹ	സിംഹം
बाघ	Tiger	புலி	పులి	ಹುಲಿ	കടുവ
भालू	Bear	கரடி	ఎలుగుబంటి	ಕರಡಿ	കരടി

अभ्यास

एक वाक्य में उत्तर लिखिए :-

1. गाय का दूध कैसा होता है?
2. भैंस का दूध कैसा होता है?
3. बैल क्या खींचता है?

POEM

5. जल

गरम हवा तेज़ चलती है,
सागर का जल भाप बनता है।
हवा संग वह ऊपर जाता है,
काले बादल का नाम पाता है।।

शीतल बादल जल बरसाते हैं,
ताल-तलैये सब खूब भर जाते हैं।
बाग-बगीचे खेत हरित होते हैं,
पशु - पक्षी मानव बेहद खुश होते हैं।।

जल से बादल, बादल से जल,
थल को श्यामल बनाता है।
जल निज शकल बदलता है,
परोपकार का पाठ सिखाता है।

-संकलित

शब्दार्थ

हवा	Wind	காற்று	గాలి	ಗಾಳಿ	കാറ്റ്
भाप	Steam	நீராவி	ఆవిరి	ಹಬೆ	നീരാവി
संग	Company	சேர்க்கை	సంఘం	ಸಂಘ/ಸಂಗಡ	കമ്പനി
बादल	Clouds	மேகங்கள்	మేఘము	ಮೋಡಗಳು	മേഘം
पाना	To get	பெறுதல்	పొందుట	ಪಡೆಯಲು	നേടുക
शीतल	Cool	குளிர்ந்த	చల్లని	ತಂಪಾದ	ശീതളം, തണുത്ത
ताल-तलैया	Pond	குளம்-குட்டை	చెరువు	ಕೊಳ	കുളം
बेहद	Limitless	எல்லையற்ற	ఎల్లలు లేని	ಅಪಾರ	അളവില്ലാത്ത
थल	Land	நிலம்	ధరణి/భూమి	ಭೂಮಿ	ഭൂമി
परोपकार	To help others	பிறருக்கு உதவி செய்தல் (நன்மை) பரோபகாரம்	పరోపకారము	ಪರೋಪಕಾರ (ಇತರರಿಗೆ ಸಹಾಯ ಮಾಡುವುದು)	പരോപകാരം

अभ्यास

अपनी प्रांतीय भाषा में भावार्थ लिखिए:-

1. जल से बादल ....परोपकार का पाठ सिखाता है।।

6. सीखो

फूलों से नित हँसना सीखो,
भौरों से नित गाना।
तरु की झुकी डालियों से,
नित सीखो शीश झुकाना।।

मछली से सीखो,
स्वदेश के लिए तड़प तड़पकर मरना।
पतझड़ के पेड़ों से सीखो,
दुख में धीरज धरना।।

दीपक से सीखो,
जितना हो सके अंधेरा हरना।
पृथ्वी से सीखो,
प्राणी की सच्ची सेवा करना।।

-संकलित

शब्दार्थ

सीखो	Learn	கற்றுக்கொள்	నేర్చుకొను	ಕಲಿಯು	പഠിപ്പ്
हँसना	To laugh	சிரித்தல்	నవ్వుట	ನಗಲು	ചിരിയ്ക്കുക
भौरा	Beetle	வண்டு	తుమ్మెద	ರೆಕ್ಕೆಹುಳ	വണ്ട്
तरु	Tree	மரம்	చెట్టు	ಮರ	മരം
डालियाँ	Branches	கிளைகள்	కొమ్మలు	ಶಾಖೆಗಳು	ചില്ലകൾ
शीश	Head	தலை	తల	ತಲೆ/ಶಿರ	തല
नित	Daily	தினமும்	నిత్యము	ದಿನಾಲೂ/ಪ್ರತಿದಿನ	ദിവസവും
झुकाना	To bow	வணங்குதல்	వంచుట	ಬಾಗಲು	കുനിയുക
तड़पना	To flutter	தவித்தல்	పరితపించు	ಬಳಲು	പിടയുക
धीरज	Courage	தைரியம்	ధైర్యం	ಧೈರ್ಯ	ധൈര്യം
पतझड़	Autumn Season	இலையுதிர் காலம்	ఆకులు రాలుకాలము	ಶರತ್ಕಾಲದ ಋತು	ശിശിരം, ഇലപൊഴിയും കാലം
हरना	To remove	போக்குதல் (விலக்குதல்)	తొలగించుట	ತೆಗೆದು ಹಾಕಲು	ഇരുട്ട് നീക്കം ചെയ്യുക
पृथ्वी	Earth	பூமி	భూమి	ಭೂಮಿ	ഭൂമി

अभ्यास

अपनी प्रांतीय भाषा में भावार्थ लिखिए:-

1. फूलों से नित हँसना ....शीश झुकाना ।।
2. दीपक से सीखो ....सच्ची सेवा करना ।।

DOHA

5. मुखिया मुख सों चाहिए, खान पान को एक।
पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक।।

(तुलसीदास)

6. तुलसी मीठे वचन ते, सुख उपजत चहुँ ओर।
बसीकरन यह मंत्र है, परिहरु वचन कठोर।।

(तुलसीदास)

PROSE

7. पत्र - मित्र के नाम पर

12, गाँधी नगर,
मदुरै.

दिनांक: 1.9.2017

प्रिय मित्र कुमार,

मैं यहाँ कुशल हूँ। मेरे परिवार में भी सब लोग कुशल हैं। मैं आशा करता हूँ कि उधर तुम और तुम्हारे परिवार के लोग भी कुशल होंगे। तुम्हारे माता-पिता को मेरा प्रणाम।

पिछले पत्र में तुमने लिखा था कि तुम छुट्टी पर इस महीने मदुरै आओगे। बताओ, कब आनेवाले हो? यह भी बताओ कि तुम्हारे साथ कौन-कौन आएँगे? मेरा विश्वास है कि तुम्हारे माँ-बाप ज़रूर आएँगे और तुम्हारा छोटा भाई भी आएगा। उनको ज़रूर मेरे घर ले आओ। आप लोगों को घर ले आने के लिए मैं स्टेशन पर आऊँगा। मेरे साथ मेरी बहन भी आएगी।

मदुरै में हम तिरुमलैनायक्कर महल देखेंगे। यह इतिहास प्रसिद्ध जगह है। एक दिन मीनाक्षी अम्मन मंदिर जाएँगे। मंदिर की वास्तुकला देखोगे, तो तुमको बड़ा आश्चर्य होगा। गाँधी म्यूज़ियम भी हम अवश्य देखेंगे। महात्माजी हमारे लिए हमेशा वंदनीय हैं। एक दिन मैं आप लोगों को तिरुपरंकुंड्रम ले जाऊँगा। वहाँ भगवान कार्तिकेय का बड़ा मंदिर है। हम भगवान कार्तिकेय के दर्शन करेंगे।

मदुरै के आस-पास मन-बहलाव के कई स्थान हैं। वहाँ भी हम लोग जाएँगे और मनोरंजन का आनंद लेंगे।

मेरा इंतज़ार है कि तुम अगले हफ़्ते यहाँ आओगे। मेरे माँ-बाप भी आप लोगों की प्रतीक्षा में हैं।

तुम्हारा प्रिय मित्र,
सी. मोहन

सेवा में
एम. कुमार
234, सत्यनारायणन गली,
पोट्टी श्रीरामुलु नगर,
नेल्लूर, आंध्र प्रदेश।

शब्दार्थ

पत्र	Letter	கடிதம்	ఉత్తరం	ಪತ್ರ	എഴുത്ത്
विश्वास	Belief	நம்பிக்கை	నమ్మకం	ವಿಶ್ವಾಸ	വിശ്വാസം
इतिहास	History	வரலாறு	చరిత్ర	ಇತಿಹಾಸ	ചരിത്രം
प्रसिद्ध	Famous	புகழ்பெற்ற	ప్రముఖ	ಪ್ರಸಿದ್ಧ	പ്രസിദ്ധമായ
जगह	Place	இடம்	స్థలము	ಸ್ಥಳ	സ്ഥലം
वास्तुकला	Architecture	கட்டிடக்கலை	వాస్తుకళా	ವಾಸ್ತುಶಿಲ್ಪ	വാസ്തു വിദ്യ
मनोरंजन	Recreation	கேளிக்கை	మనోరంజనం	ಮನರಂಜನೆ	മനോവിനോദം
इंतज़ार	Expectation	எதிர்பார்ப்பு	నిరీక్షణ	ನಿರೀಕ್ಷೆ	കാത്തിരിയ്ക്കുക
हमेशा	Always	எப்பொழுதும்	ఎల్లప్పుడు	ಯಾವಾಗಲು	എപ്പോഴും
बताना	To tell	கூறுதல்	చెప్పుట	ಹೇಳಲು	നിർദ്ദേശിയ്ക്കുക
ज़रूर	Surely	நிச்சயமாக	ఖచ్చితంగా	ಖಂಡಿತವಾಗಿ	തീർച്ചയായും
अगले	Next	அடுத்த	తర్వాత	ಮುಂದಿನ	അടുത്തത്
हफ़्ता	Week	வாரம்	వారం	ವಾರ	ആഴ്ച
आशा	Hope	நம்பிக்கை	నమ్మకం	ಭರವಸೆ	പ്രതിക്ഷ
महीना	Month	மாதம்	నెల	ತಿಂಗಳು	മാസം

अभ्यास

प्रांतीय भाषा में अर्थ लिखिए:-

विश्वास इतिहास प्रसिद्ध वास्तुकला
इंतज़ार हमेशा जगह अगले

विलोम शब्द लिखिए:-

आशा इधर विश्वास प्यार हमेशा

वाक्यों में प्रयोग कीजिए:-

परिवार विश्वास माँ-बाप प्रसिद्ध आश्चर्य
वास्तुकला अवश्य वंदनीय आस-पास अगले हफ़्ते

खाली जगहें भरिए:-

1. मेरे परिवार में भी सब लोग .... हैं।
2. तुम इस महीने मदुरै ....।
3. मंदिर की वास्तुकला देखकर तुमको बड़ा ....होगा।
4. महात्माजी हमारे लिए हमेशा .... हैं।
5. मदुरै के आस-पास ....के कई स्थान हैं।

प्रश्नों के उत्तर तीन-तीन वाक्यों में लिखिए:-

1. मोहन ने किसको पत्र लिखा और क्या लिखा?
2. कुमार कहाँ रहता है? उसके परिवार में कौन-कौन हैं? वह छुट्टी पर कहाँ जाएगा?
3. मदुरै के बारे में तीन वाक्य लिखिए।
4. कुमार किसका दोस्त है? उसने अपने पत्र में क्या लिखा?
5. मोहन कहाँ रहता है? वह कुमार को कहाँ-कहाँ ले जाएगा?

STORY

3. अंगुलिमाल

एक जंगल में अंगुलिमाल नाम का एक डाकू रहता था। वह बड़ा निर्दयी था। वह जंगल में आने-जानेवालों को पकड़कर बहुत सताता था। वह उन्हें मार डालता था। वह उनकी अंगुलियों को माला बनाकर गले में पहनता था। इसीलिए लोग उसे अंगुलिमाल कहते थे। सभी लोग उससे बहुत डरते थे और जंगल में नहीं जाते थे।

एक बार महात्मा बुद्‌ध किसी कारण उस जंगल में गये। वे अंगुलिमाल के बारे में जानते थे। जब अंगुलिमाल को महात्मा बुद्‌ध के आने का पता चला तो उसे बहुत गुस्सा आया। गुस्से से भरा वह महात्मा बुद्‌ध के पास आया। महात्मा बुद्‌ध ने धैर्यपूर्वक मुस्कराकर उसका स्वागत किया। इस प्रकार बिना डरे, मुस्कराकर स्वागत किया जाना अंगुलिमाल के लिए नई बात थी, क्योंकि सब लोग तो उससे डरते थे और उससे घृणा करते थे।

महात्मा बुद्‌ध ने अंगुलिमाल से कहा, "भाई गुस्सा छोड़ो और सामनेवाले पेड़ से चार पत्तियाँ तोड़ लाओ।" अंगुलिमाल पत्ते तोड़ लाया।

बुद्‌ध मुस्कराए और बोले, इन पत्तों को जहाँ से तोड़ लाए हो फिर से वहीं लगा आओ।

अंगुलिमाल बोला, 'यह कैसे हो सकता है? जो पत्ता एक बार पेड़ से अलग हो गया, वह फिर कैसे जुड़ सकता है?'

बुद्‌ध ने उसे समझाया, 'तुम यह जानते हो कि जो एक बार अलग हो गया, वह दुबारा जुड़ता नहीं , तो तुम तोड़ने का काम क्यों करते हो, जब तुम फिर से उसे जोड़ नहीं सकते। पेड़ हो या अन्य प्राणी - सब में प्राण होते हैं। प्राणियों को तुम क्यों सताते हो? उन्हें मारते क्यों हो?

अंगुलिमाल महात्मा बुद्‌ध की बात समझ गया। वह उनकी शरण में आ गया और उनका शिष्य बन गया।

ANSWER

पाठ - छः

1. भूपाल क्या खाता है? — भूपाल आम खाता है।
2. रवि और करीम कहाँ खेलते हैं? — रवि और करीम मैदान में खेलते हैं।
3. पिताजी कहाँ जाते हैं? — पिताजी बंगलूरू जाते हैं।

पाठ - सात

1. लता, तुम यहाँ क्या करती हो? — मैं यहाँ पढ़ती हूँ।
2. गाय क्या पीती है? — गाय पानी पीती है।
3. कुत्ता क्या खाता है? — कुत्ता भात खाता है।

पाठ - आठ

1. दिनेश कहाँ से कलम लाता है? — दिनेश बाज़ार से कलम लाता है।
2. विजय क्या खाता है? — विजय सेब खाता है।
3. वनजा, तुम कहाँ पढ़ती हो? — मैं गाँधी स्कूल में पढ़ती हूँ।

पाठ - नौ

1. शेखर का घर कहाँ है? — शेखर का घर शहर में है।
2. शेखर का स्कूल कहाँ है? — शेखर का स्कूल इंदिरा नगर में है।
3. बाग में कौन हैं? — बाग में स्कूल के लड़के हैं।

पाठ - दस

1. तुम्हारा नाम क्या है? — मेरा नाम दिनेश है।
2. गाड़ी कहाँ से आती है? — गाड़ी बाज़ार से आती है।
3. मैदान कहाँ है? — मैदान स्कूल के पास है।

पाठ - ग्यारह

1. आज कौन-सा दिन है? — आज शनिवार है ।
2. कल कौन-सा दिन है? — कल इतवार है।
3. शाम को तुम क्या करोगे? — शाम को मैं मंदिर जाऊँगा।

पाठ - बारह

1. कल अशोक कहाँ जाएगा? — कल अशोक चेन्नई जाएगा।
2. गाड़ी कितने बजे छूटती है? — गाड़ी साढ़े छः बजे छूटती है।
3. अशोक कब चेन्नई से वापस आएगा? — अशोक बुधवार सबेरे चेन्नई से वापस आएगा।

पाठ - तेरह

1. यह गाड़ी कहाँ जाएगी? — यह गाड़ी मदुरै जाएगी।

2. यह गाड़ी कब छूटेगी? — यह गाड़ी रात को आठ बजे छूटेगी।
3. कोडैक्कानल में हम क्या देखेंगे? — कोडैक्कानल में हम वेधशाला देखेंगे।

पाठ - चौदह

1. इस घर में कितने कमरे हैं? — इस घर में छे कमरे हैं।
2. आपके घर के पीछे क्या है? — हमारे घर के पीछे एक सुंदर बगीचा है।
3. मोहन, तुमको कौन हिंदी सिखाते हैं? — मुझे मास्टर राजन हिंदी सिखाते हैं।

पाठ - पंद्रह

1. गाय का दूध कैसा होता है? — गाय का दूध पतला होता है।
2. भैंस का दूध कैसा होता है? — भैंस का दूध गाढ़ा होता है।
3. बैल क्या खींचता है? — बैल गाड़ी खींचता है।

पाठ - सोलह

1. राम रोज़ सबेरे कितने बजे उठता है? — राम रोज़ सबेरे छः बजे उठता है।
2. राम कितने बजे घर वापस आता है? — राम पाँच बजे घर वापस आता है।
3. राम कैसा लड़का है? — राम अच्छा लड़का है

पाठ - सत्रह

1. कल कौन-सा दिन था? — कल इतवार था।
2. दोस्त के घर में क्या था? — दोस्त के घर में शादी थी।
3. हिंदी नाटक कैसा था? — हिंदी नाटक बहुत अच्छा था।

पाठ - अठारह

1. सुरेश आज कहाँ से आया? — सुरेश आज बंगलूरू से आया।
2. अंगूर कैसा था? — अंगूर बहुत बढ़िया था।
3. संतरा कैसा था? — संतरा बहुत अच्छा था।

पाठ - उन्नीस

1. यह ख़त किसने लिखा? — यह ख़त हमने लिखा।
2. तुमने यह कमीज़ कब खरीदी? — मैंने यह कमीज़ कल खरीदी।
3. तुमने मेरे कपड़े कहाँ रखे? — मैंने आपके कपड़े अलमारी में रखे।

पाठ - बीस

1. तुम कहाँ रहते हो? — मैं नेहरू नगर में रहता हूँ।
2. तुम्हारे पिताजी का नाम क्या है? — मेरे पिताजी का नाम नारायण है।
3. तुम्हारे पिताजी कहाँ काम करते हैं? — मेरे पिताजी डाक-घर में काम करते हैं।

Substance : The poet says how beautiful are the feathers of the Peacock. Look at the multicoloured feathers. The colours are designed in various patterns. Look at the attractive dance of the peacock.

The poet describes the Peacock's beauty and dance.

இடம்: இப்பாடலின் வரிகள் **"मोर"** என்ற செய்யுலிலிருந்து எடுக்கப்பட்டுள்ளன. இதில் பாடலாசிரியர் மயிலைப் பற்றி சிறப்பாக வர்ணித்துள்ளார்.

பொழிப்புரை: மயிலுக்கு எத்தனை அழகான சிறகுகள் இருக்கின்றன. அதன் சிறகுகளில்தான் எத்தனை நிறங்கள், அதன் நிறங்களில் எத்தனை விதங்கள். அதனுடைய நடனம்தான் அனைவரின் மனதை கவரக்கூடியதாக இருக்கிறது என்று மயிலின் அழகை காணுமாறு பாடலாசிரியர் விவரித்துள்ளார்.

கருத்துரை : தேசியப்பறவை மயிலின் அழகை கவிஞர் சிறப்பாக வர்ணித்துள்ளார்,

ఈ పద్యములో పిల్లలను ఉద్దేశిస్తూ నెమలియొక్క అందాన్ని వర్ణించడమైనది. నెమలి ఫించములో ఎన్ని రెక్కలున్నాయో చూడు (ప్రతిరెక్కలో ఎన్ని రంగులు ఉన్నాయో చూడు), ప్రతి రంగులో ఎన్ని విధాలు ఉన్నాయో చూడు. ఈ విధంగా నెమలి నాట్యం చేస్తూ, మనోహరంగా కనిపిస్తూ అందరినీ మురిపిస్తోంది.

ಸುಂದರ ರೆಕ್ಕೆಯನ್ನು ಹೊಂದಿರುತ್ತದೆ, ಆ ರೆಕ್ಕೆಗಳಲ್ಲಿ ಹಲವು ಬಣ್ಣಗಳು ಇವೆ. ಆ ಬಣ್ಣಗಳು ಬೇರೆ ಬೇರೆ ಪ್ರಕಾರಗಳಿಂದ ಕೂಡಿದ್ದು ಇದನ್ನು ಮಕ್ಕಳು ಇಷ್ಟಪಡುತ್ತಾರೆ, ಇದೊಂದು ರೀತಿಯ ಮನೋಹರ ಭರಿತವಾಗಿದೆ.

നോക്കുവിൻ! എത്ര മനോഹരമാണാ ചിറകുകൾ, എത്രയെത്ര വർണ്ണങ്ങളാണതിൽ, വർണ്ണങ്ങൾതന്നെ എത്ര തരമുണ്ടെന്ന് നോക്കുവിൻ. ഇനിന്റെ മനോഹരമായ നൃത്തം നോക്കുവിൻ.

5. जल

जल से बादल ....परोपकार का पाठ सिखाता है।।

These lines are taken from the poem " **जल** ". In this poem the poet describes the importance of water.

Substance: The poet says, the water changes into cloud, then it again changes its structure in the form of rain. It makes the earth fertile. The water gets evaporated and it falls down as rain to teach us the lesson to help others.

The poet explains the process of changing the structure of water. He also explains the importance of helping others.

இடம்: இப்பாடலின் வரிகள் **"ஜல"** என்ற பாடலிலிருந்து எடுக்கப்பட்டுள்ளன. இதில் கவிஞர் பிறருக்கு உதவும் பண்பினை விவரிக்கிறார்.

பொழிப்புரை: தண்ணீரிலிருந்து மேகமாகவும், மீண்டும் மேகத்திலிருந்து நீராகவும் மாறி வறண்ட பூமியை செழிப்படையச்செய்து, நீர் தன்னுடைய உருவத்தை மாற்றிக்கொண்டு பிறருக்கு உதவும் குணத்தை நமக்கு கற்பிக்கிறது.

கருத்துரை : பிறருக்கு உதவும் தன்மையைப் பற்றியும் நீரின் உருவ மாற்றத்தையும் சிறப்பாக வர்ணித்துள்ளார்.

ఈ పద్యం ద్వారా జలము యొక్క గొప్పతనము చెప్పబడినది. జలముతో మేఘము తయారవుతుంది. తిరిగి మేఘము వాన రూపంలో జలాన్ని అందిస్తుంది. జలమే భూమి మీద నివసించే అన్ని ప్రాణులకు జీవనాధారము. ఈ విధముగా జలము తన నిజ రూపాన్ని మారుస్తూ మనకు పరోపకారం నేర్పిస్తోంది.

ನೀರಿನಿಂದ ಮೋಡ, ಮೋಡದಿಂದ ನೀರು ಭೂಮಿಯಮೇಲೆ ವಾಸಿಸುವ/ಜೀವಿಸುವ ಜೀವಗಳಿಗೆ ಜೀವನ ನೀಡುತ್ತದೆ. ಅದು ತನ್ನ ರೂಪವನ್ನು ಬದಲಾಯಿಸುತ್ತದೆ. ಇದರೊಂದಿಗೆ ಮೋಡವು ಪರೋಪಕಾರ ಗುಣವನ್ನು ನಮಗೆ ತಿಳಿಸುತ್ತದೆ.

ജലത്തിൽ നിന്നു മേഘവും, മേഘത്തിൽ നിന്ന് ജലവുമായി പവിത്ര ഭൂമിയെ വികസിപ്പിക്കുന്നു. എന്നാൽ. അതിന്റെ ശരിയായ രൂപത്തെ മാറ്റി പരോപകാരം ചെയ്യുന്ന പാഠത്തെ പഠിപ്പിക്കുന്നു.

6. सीखो

1. फूलों से नित हँसना ....शीश झुकाना ।।

These lines are taken from the poem " **सीखो** ". Poet indicates good characters of flower, beetle etc.

Learn to laugh from the flowers. Learn to sing from the beetles. Learn humbleness from the branches of trees.

Poet simply indicates that the life is a learning process. We have to learn good things from everyone in the world.

இடம்: இப்பாடலின் வரிகள் "**सीखो**" என்ற பாடலிலிருந்து எடுக்கப்பட்டுள்ளன. இதில் பாடலாசிரியர் நாம் என்னென்ன கற்கவேண்டும் என்பதனை பல சிறந்த உதாரணங்கள் மூலமாக விளக்கியுள்ளார்.

பொழிப்புரை: கவிஞர் கூறுவது யாதெனில் பூக்களிடமிருந்து தினமும் நீ சிரிக்க கற்றுக் கொள். மேலும் வண்டுகளின் ரீங்கார கானத்தை கற்றுக்கொள். மேலும் வளைந்த மரக்கிளைகளிடமிருந்து எல்லோருக்கும் தலை வணங்க கற்றுக் கொள்.

கருத்துரை : சிறந்த உதாரணங்களின் மூலமாக நாம் வாழ்க்கையில் கற்றுக் கொள்ள வேண்டியவற்றை சிறப்பாக விவரித்துள்ளார்.

ఈ పద్యము ద్వారా మనము ప్రకృతి నుండి నేర్చుకొనవలసిన గుణాలు తెలియ చేయటమైనది. పువ్వుల నుండి నిత్యం ప్రసన్నంగా ఉండటం నేర్చుకో. తుమ్మెదల ద్వారా నిత్యం పాడటం నేర్చుకో. చెట్టు యొక్క కొమ్మలు ఎప్పుడు క్రిందకు వంగి ఉంటాయి. వీటి నుండి నీవు ఎంత ఎత్తుకు ఎదిగినా తలదించుకు ఉండటం నేర్చుకోవాలి.

ಹೂವುಗಳನ್ನು ನೋಡಿ ನಾವು ಸದಾ ನಗುವುದನ್ನು ಕಲಿಯಬೇಕು, ದುಂಬಿಗಳನ್ನು ನೋಡಿ ನಾವು ಸದಾ ಗುಣ ಗುಣಿಸುವದನ್ನು ಕಲಿಯಬೇಕು. ಮರದ ಬಾಗಿದ ರೆಂಬೆ–ಕೊಂಬೆಗಳನ್ನು ನೋಡಿ ವಿನಮ್ರತೆ, ವಿನಯವನ್ನು ನಾವು ಕಲಿಯಬೇಕು.

നിത്യവും പൂക്കളെകണ്ട് മന്ദഹസിക്കുവാൻ പഠിക്കുവിൻ. നിത്യവും പണ്ടുകളെ കണ്ട് പാടാൻ പഠിക്കുവിൻ മരത്തിന്റെ കുനിഞ്ഞിരിക്കുന്ന ചില്ലകളെ കണ്ട് തല കുനിക്കാൻ പഠിക്കുവിൻ.

2. दीपक से सीखो ....सच्ची सेवा करना ।।

These lines are taken from the poem " **सीखो** ". Poet narrates that the learning is a lengthy process. Hence, he named the poem as " **सीखो** ".

Learn, to remove the darkness from the light. Learn from the earth, to think the welfare and serve the living beings.

The poet says simply, everything in the nature teaches us good characters.

இடம்: இப்பாடலின் வரிகள் "**सीखो**" என்ற பாடலிலிருந்து எடுக்கப்பட்டுள்ளன.

பொழிப்புரை: இப்பாடலில் கவிஞர் விளக்கின் ஒளியால் எவ்வளவு தூரம் இருட்டு அகற்றப்படுகிறதோ அதைப் போல் உன் அறியாமையை அகற்றக் கற்றுக்கொள். மேலும் இந்த பூமியிடமிருந்து எல்லா ஜீவராசிகளுக்கும் செய்யும் உண்மையான சேவையை கற்றுக்கொள் என்கிறார்.

கருத்துரை : கவிஞர், நாம் கற்கவேண்டியவற்றை பல சிறந்த உதாரணங்களின் மூலம் விளக்கியுள்ளார்.

దీపం నుండి చీకటిని దూరం చేయటం నేర్చుకో. అనగా అజ్ఞానమనే అంధకారంను దూరం చేసే జ్ఞానమనే దీపాన్ని స్వీకరించు. భూమి నుండి నిజమైన సేవయొక్క మహత్వం తెలుసుకో. 'మానవ సేవే మాధవ సేవ' అని ప్రాణులకు సేవ చేయటం నేర్చుకో. ఈ విధముగా ప్రకృతి నుండి కూడా మనము నేర్చుకొనవలసినది చాలా ఉన్నది.

ದೀಪದಿಂದ ಕತ್ತಲನ್ನು ದೂರುವಾಗುವದನ್ನು ಕಲಿಯಬೇಕು; ಅಂಧಕಾರವನ್ನು ನಿರ್ಮೂಲನೆ ಮಾಡುವು ದನ್ನು ಮತ್ತು ಪೃಥ್ವಿಯನ್ನು ನೋಡಿ ಎಲ್ಲ ಪ್ರಾಣಿಗಳಿಗೂ ಹೇಗೆ ಸೇವೆಯನ್ನು ಮಾಡಬೇಕು ಎಂದು ಕಲಿಯಬೇಕು.

ദീപങ്ങളിൽനിന്ന് ആകാവുന്നത്ര അന്ധകാരം അകറ്റാൻ പഠിക്കുവിൻ. ഭൂമിയെകണ്ട് പഠിക്കുവിൻ ജീവജാലങ്ങൾക്ക് എങ്ങനെ യഥാർത്ഥ സേവനം നൽകണമെന്ന്.

7. आओ, पेड़ लगाएँ हम

पत्थर खाते पर फल देते.................................आओ पेड़ लगाएँ हम।।

These lines are taken from the poem **"आओ, पेड़ लगाएँ हम"**. Trees are helpful to the people.

After enduring the attacks of stones, the trees give fruits to others. Trees teach the lesson to help others. Come let us appreciate and admire the good qualities of tree. Come let us plant trees.

Poet indicates that what a beneficiary one the tree is! Through it endures difficulties, help others.

இடம்: இப்பாடலின் வரிகள் **"आओ, पेड़ लगाएँ हम"** என்ற பாடலிலிருந்து எடுக்கப்பட்டுள்ளன.

பொழிப்புரை: பிறருக்கு உதவவேண்டும் என்கிற படிப்பினையை மரம் கல்லடி பட்டாலும் பழங்களை எல்லோருக்கும் கொடுப்பதன் மூலம் நமக்கு உணர்த்துகிறது. நாம் ஒன்று கூடி மரத்தை புகழ்ந்து பாடுவோம், மேலும் வாருங்கள் நாம் மரங்கள் நடுவோம்.

கருத்துரை :மரங்களின் அவசியத்தை கவிஞர் இப்பாடலின் மூலம் வலியுறுத்துகிறார்.

ఈ పద్య భాగములో చెట్టు యొక్క మహత్వం గురించి చెప్పబడినది. చెట్టుకున్న పండ్ల కోసము మనము ఎన్ని రాళ్ళు విసిరినా చెట్టు మనకు పండ్లను ఇస్తుంది. దీనిలో పరమార్థము ఏమిటంటే మనము ఎన్ని బాధలు పడినా ఇతరులకు మేలు చేయాలి. చెట్టు మనకు ఈ పరమార్థమునే బోధిస్తోంది. అందువలన రండి, మనము చెట్లు నాటుదాం మరియు దీని యొక్క గుణములను పాటగా పాడదాం.

III. तीन वाक्यों में जवाव लिखिए:-

पाठ - 7 पत्र - मित्र के नाम पर

1. मोहन ने किसको पत्र लिखा और क्या लिखा?
मोहन ने अपने दोस्त कुमार को पत्र लिखा। उसने लिखा - तुम छुट्टी पर मदुरै आओ। अपने माँ-बाप और छोटे भाई को भी साथ ले आओ।
2. कुमार कहाँ रहता है? उसके परिवार में कौन-कौन हैं? वह छुट्टी पर कहाँ जाएगा?
कुमार आँध्र प्रदेश के नेल्लूर में रहता है। उसके परिवार में उसके माँ-बाप और छोटा भाई हैं। कुमार छुट्टी पर मदुरै जाएगा।
3. मदुरै के बारे में तीन वाक्य लिखिए।
मदुरै पुराना और सुंदर शहर है। यहाँ मीनाक्षी अम्मन का मंदिर, तिरुमलैनायक्कर महल, गाँधी म्यूज़ियम आदि कई प्रसिद्ध स्थान हैं। यहाँ मन बहलाव के स्थान भी हैं।
4. कुमार किसका दोस्त है? उसने अपने पत्र में क्या लिखा?
कुमार मोहन का दोस्त है। वह नेल्लूर में रहता है। मदुरै में रहनेवाले मोहन को उसने लिखा - वह अगले महीने मदुरै आएगा।
5. मोहन कहाँ रहता है? वह कुमार को कहाँ-कहाँ ले जाएगा?
मोहन मदुरै में रहता है। वह कुमार को तिरुमलैनायक्कर महल ले जाएगा। मीनाक्षी अम्मन मंदिर, गाँधी म्यूज़ियम, तिरुपरंकुंड्रम आदि स्थान भी ले जाएगा।

3. अंगुलिमाल

एक जंगल में एक डाकू रहता था। वह बड़ा निर्दयी था। वह लोगों को सताता था और उनकी अंगुलियों को काटकर माला बनाता और उसे अपने गले में पहनता था। इसलिए लोग उसे अंगुलिमाल कहते थे।

एक बार महात्मा बुद्ध उस जंगल की ओर गये। बुद्ध को देखकर अंगुलिमाल को बहुत गुस्सा आया। अंगुलिमाल को देखकर महात्मा बुद्ध ने मुस्कराकर धैर्य के साथ उससे कहा कि गुस्सा छोड़ो और सामनेवाले पेड़ से पत्तियों को तोड़ो और फिर उसी जगह लगाओ। अंगुलिमाल ने पूछा कि यह कैसा हो सकता है?

अंगुलिमाल अब समझ गया कि किसी को तोड़ने पर पुनः फिर उसे जोड़ नहीं सकते। अंगुलिमाल बुद्ध की शरण में आया और उनका शिष्य बना।

सीखः किसी भी चीज़ को बिगाड़ना आसान है, बनाना कठिन है।

II. अक्षरों में लिखिए:

1 एक	11 ग्यारह	21 इक्कीस	31 इकतीस	41 इकतालीस
2 दो	12 बारह	22 बाईस	32 बत्तीस	42 बयालीस
3 तीन	13 तेरह	23 तेईस	33 तैंतीस	43 तैंतालीस
4 चार	14 चौदह	24 चौबीस	34 चौंतीस	44 चवालीस
5 पाँच	15 पंद्रह	25 पच्चीस	35 पैंतीस	45 पैंतालीस
6 छे	16 सोलह	26 छब्बीस	36 छत्तीस	46 छियालीस
7 सात	17 सत्रह	27 सत्ताईस	37 सैंतीस	47 सैंतालीस
8 आठ	18 अठारह	28 अट्ठाईस	38 अड़तीस	48 अड़तालीस
9 नौ	19 उन्नीस	29 उनतीस	39 उनचालीस	49 उनचास
10 दस	20 बीस	30 तीस	40 चालीस	50 पचास

¼ पाव	1¼ सवा	2¼ सवा दो	3¼ सवा तीन	4¼ सवा चार
½ आधा	1½ डेढ़	2½ ढाई	3½ साढ़े तीन	4½ साढ़े चार
¾ पौन	1¾ पौने दो	2¾ पौने तीन	3¾ पौने चार	4¾ पौने पाँच